

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, गंगापुर सिटी (राज०)
पीठासीन अधिकारी का नाम - श्री रवि वर्मा, आर०ए०एस०

किस्म मुकदमा

दर्ज दिनांक

एफएसएस एक्ट, 2006

06/11/2019

पूर्विया खाद्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय मु०चि० एवं स्वा० अधि० सवाई माधोपुर ।

-आवेदक

बनाम

शर्मा पुत्र श्री जबर लाल उम्र 27 वर्ष जाति ब्राह्मण निवासी पुरोहितों का बास, ग्राम फीच राह०
(आवेदक) (खाद्य विक्रेता एवं फर्म मालिक) - फर्म - जोधपुर स्वीट एण्ड नाश्ता हाउस, प्राईवेट बरा स्टेशन,
दिलीप सिंह पेट्रोल पम्प के सामने गंगापुर सिटी।
-अभियुक्तगण

जुर्म अन्तर्गत एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 26 की उपधारा 2 (ii)

निर्णय

दिनांक. 28.08.2024

उक्त न्याय निर्णयन आवेदन अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर द्वारा प्राधिकृत खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री वेद प्रकाश पूर्विया, खाद्य सुरक्षा अधिकारी (आवेदक) ने अन्तर्गत एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 26 की उपधारा 2 (ii) के तहत प्रस्तुत किया गया आवेदन के अनुसार आवेदक दिनांक 15.03.2019 को समय 03:00 पी०एम० पर मैसर्स जोधपुर स्वीट एण्ड नाश्ता हाउस पर पहुँचा वहाँ पर गोत्तम शर्मा पुत्र श्री जबर लाल शर्मा उपस्थित था। विक्रेता की उपस्थिति में दुकान का निरीक्षण किया गया विक्रय हेतु प्रदर्शित खाद्य पदार्थ मावा वर्फी (मावा व चीनी से निर्मित) दुकान में स्टाफ की टंकी में रखी हुई थी के मानक स्तर का नहीं होने का शक होने पर नमूना वास्ते जांच लेने की सूचना फार्म नं० 5 ए की प्रति गवाह की उपस्थिति में तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली जो कि न्याय निर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक द्वारा खाद्य पदार्थ मावा वर्फी (मावा व चीनी से निर्मित) 2 किलोग्राम वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय कर राशि 400/- रु० नगद देकर रसीद प्राप्त की जिस पर विक्रेता गवाहान के हस्ताक्षर करवाकर आवेदक स्वयं ने भी हस्ताक्षर किये।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदे गये खाद्य पदार्थ मावा वर्फी (मावा व चीनी से निर्मित) 2 किलोग्राम को चार बराबर-बराबर भागों में विभक्त कर कांच की शिशियों में भरकर 40-40 बूटें फार्मलिन में डालकर अच्छी तरह से बन्द किया तथा आवेदक द्वारा चार लेबल तैयार किये गये जिन पर नमूना का विवरण अंकित कर प्रत्येक नमूना भाग पर एक-एक लेबल चिपकाया प्रत्येक नमूना भाग को मोटे खाकी कागज में लेपटकर अभिहित अधिकारी से प्राप्त पेपर स्लिप क्रमांक एच 1626 प्रत्येक नमूना भाग पर चिपकाकर प्रत्येक नमूना भाग को घागों से बांधकर नियमानुसार सील चपड़ी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेफर दोनों पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाहों के हस्ताक्षर करवाकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर आवेदक द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूने भागों को अपने कब्जे में लिया।

आवेदक द्वारा कार्यालय में पहुँचकर फार्म नम्बर 6 की प्रतियां तैयार की और प्रत्येक पर नमूना संलग्ना लगी। एक नमूना भाग मय फार्म सं० 6 की प्रति के आउटर कवर में सीलबन्द कर सील मोहर को एच 2 पर फार्म नं० 6 की अलग से सील्ड लिफाफे में मोहम्मद असलम वार्ड बॉय, कार्यालय मु० चि० एवं स्वा० अतिरिक्त सवाई माधोपुर द्वारा खाद्य विश्लेषक, कोटा को जमा करवाकर अलग-अलग रसीद प्राप्त की गई तथा नमूना का चौथा भाग मय फार्म नं० 6 की प्रति के डी०ओ० (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) सवाई माधोपुर को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को डी०ओ० एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाई माधोपुर के पत्र क्रमांक/एमएसएसए/2019/1001 दिनांक 24.04.2019 के द्वारा ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक कोटा की जांच रिपोर्ट संख्या 192/एफएसएसएल/कोटा/एक्ट/2019/176 दिनांक 28.03.2019 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच विक्रय किया गया खाद्य पदार्थ अनसोफ पाया गया। नमूने की पुन जांच आवेदन पर पुनः जांच करवायी गई जो जांच सर्टिफिकेट नं० आरएफएल/डीओ/390/19/2024 के अनुसार अवमानक प्रकृति का पाया गया।

उक्त प्रकरण में जांच सर्टिफिकेट नं० आरएफएल/डीओ/390/19/2024 के अनुसार अवमानक प्रकृति के खाद्य पदार्थ का निर्माण व विक्रय कर

अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
गंगापुर सिटी



को उपसारा 2 (ii) को चतुर्धन किया है जो कि स्वाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 को उल्लंघन करता है। अतः आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि अभियुक्तगण पर अधिकतम दण्ड तक आम जनता को सुरक्षित स्वाद्य उपलब्ध कराया जा सके।

अभियुक्त आवेदन न्यायालय को समक्ष प्रस्तुत होने पर वर्ज रजिस्टर्ड किया जाकर अभियुक्तगण को तत्पर किया गया। अभियुक्तगण मय अधिवक्ता उपस्थित होने पर सुभय पक्ष की बहस सुनी

अभियुक्त के अधिवक्ता ने दौरान बहस निवेदन किया कि आवेदक श्री प्रेमचन्द्र जैन द्वारा अभियुक्त को हर दिवाकर खाली कागजों में हस्ताक्षर करवा लिये गये थे। जिसका आवेदक द्वारा मन्तव्य किया है। आवेदक द्वारा जनत नमूने की कार्यवाही अभियुक्त के समक्ष नहीं की गई है या ही कुछ स्वाद्य पदार्थ का कोई नमूना किया गया है। आवेदक द्वारा अन्त कार्यवाही मन्तव्य व फर्जी है। अभियुक्त एक किसान की तुलना मजदूर अपने परिवार का पालन पोषण करता है, साथ ही अभियुक्त ने अभियुक्त को प्रति नरमी रुख अपनाते हुए जनत प्रकरण कार्यवाही झूठ करवाने हेतु किया है।

इसे अभियुक्तगण की बहस पर मन्तव्य किया साथ ही मन्तव्य का आरोपान्त अवलोकन किया। साथ ही मन्तव्य से सलमन रेफरल प्रयोगशाला पुणे की जांच जांच सर्टिफिकेट नं० आरएफएल/डीडी/390/2019 का अवलोकन किया गया। जिसके अनुसार विक्रता द्वारा वारते नमूना जांच विक्रय किया गया पदार्थ अवमानक का निर्माण व विक्रय करने का दोषी पाया गया है। अभियुक्त द्वारा अपने पक्ष में पदार्थ अवमानक प्रकृति का नहीं होने के संबंध में कोई साक्ष्य/वरतामैज/सम्बन्ध अभिलेख प्रस्तुत नहीं है। अतः स्वाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा अभियुक्तगण के विरुद्ध की गई समस्त कार्यवाही उचित प्रकृति है।

अभियुक्तगण द्वारा स्वाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की 2006 की धारा 51 के तहत की गई अनियमितता को सही सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुये अभियुक्त की आर्थिक स्थिति को नृक्षिमत रखते हुये अभियुक्त को 1000 (दस हजार) रु० की आर्थिक शारित से अधिशेषित कर मण्ड से मण्डित किया जाता है तथा अभियुक्तगण को आदेशित किया जाता है कि वह जनत मण्डित शारित शशि 30 दिवस की अवधि में जारित करवा करवाकर न्याय निर्णय अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, मंगलपुर सिटी में पेश करे। अन्यथा सुझरने विवाद अपील निगमाधुसार वसूली की कार्यवाही की जावेगी। आवेश की एक प्रति आवेदक को एक प्रति अभियुक्तगण को यदि उपस्थित हो तो व्यक्तिगत या प्राधिकृत व्यक्ति को परित्या की जावे। अन्य स्थिति में आदेश की प्रति जरिमी फंजीकृत आक से प्रेषित की जावे।

यह निर्णय आज दिनांक 28.08.2024 को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया गया।



(शशि चर्मा)
न्याय निर्णय अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
मंगलपुर सिटी
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
मंगलपुर सिटी